सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, बुधवार, 22 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 280, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg11 पूर्व डीजीपी पर बहू के साथ अवैध संबंध और बेटे की हत्या का आरोप

इनसाइड दीपावली पर कनपुरियों ने फोड़े 800 करोड़ के पटाखे... » Pg02

बड़ी चूक: केरल में लैंड होते ही धंस गया हेलीपैड

बाल-बाल बचीं राष्ट्रपति, हेलीकॉप्टर के पहिए धंसे

सबरीमाला दर्शन के दौरान कच्चे कंक्रीट हैलीपैड पर उतारा हेलीकॉप्टर, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

» तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के केरल दौरे के दौरान एक गंभीर सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। सबरीमाला मंदिर दर्शन के लिए जा रहे वायुसेना के हेलीकॉप्टर के पहिए प्रमदम राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम के कच्चे कंक्रीट वाले हेलीपैड पर उतरते ही गड्ढे में धंस गए। इस घटना से एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया, लेकिन राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 अक्टूबर को चार दिवसीय केरल यात्रा पर तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं। आज 22 अक्टूबर को सुबह पत्तनामथिट्टा जिले के प्रमदम में उतरने के दौरान यह हादसा हुआ। हेलीकॉप्टर के वजन से हेलीपैड का नया कंक्रीट धंस गया, जिससे विमान के पहिए कीचड़ भरे गड्ढे में फंस गए। स्थानीय पुलिसकर्मियों और वायुसेना के अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हेलीकॉप्टर को जिप और अन्य साधनों से खींचकर बाहर निकाला। इस दौरान राष्ट्रपति सुरक्षित रहीं, लेकिन घटना ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की पोल खोल दी है।

विपक्ष का सरकार पर वार

सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा राष्ट्रपति स्तर के दौरे में हेलीपैड की गुणवत्ता जांच अनिवार्य है। यह लापरवाही घातक साबित हो सकती थी। केंद्र और राज्य सरकार को इसकी उच्चस्तरीय जांच करनी चाहिए। इसी बीच, कांग्रेस ने इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है, जबकि भाजपा ने इसे तकनीकी खराबी बताकर टालने की कोशिश की है।

मंगलवार देर रात ही बनाया गया था हैलीपैड

हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गई थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया। इसके चलते हेलीपैड सूख नहीं पाया और जैसे ही राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर लैंड हुआ तो कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था, इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं झेल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए। अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई।

न्यूज एजेंसी एएनआई द्वारा जारी वीडियो में साफ दिख रहा है कि हेलीपैड का कंक्रीट इतना कच्चा था कि हेलीकॉप्टर के उतरते ही यह नीचे धंस गया। स्थानीय प्रशासन ने हेलीपैड को हाल ही में तैयार किया था, लेकिन इसकी मजबूती की जांच न होने से यह चूक हुई। राष्ट्रपति के दौरे के कार्यक्रम के अनुसार, वे सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर में दर्शन और आरती के लिए जा रही थीं। घटना के बाद उनका कार्यक्रम निर्धारित समय पर ही संपन्न हुआ।

लखीमपुर खीरी में हादसा

सवारियों ने खिड़कियों से कूदकर बचाई जान

70 यात्रियों से भरी डबल डेकर में लगी आग, 20 लोग झुलसे

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखीमपुर। दिल्ली से सीतापुर जा रही डग्गामार डबल डेकर बस में बुधवार सुबह यूपी के लखीमपुर में मैगलगंज मुख्य चौराहे पर आग लग गई। बस नाश्ता करने के लिए रूकी थी। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। बस में 70 से अधिक सवारियां थी, जिनमें महिलाओं व बच्चों की संख्या ज्यादा थी। गनीमत रही कि सभी यात्रियों को समय रहते स्थानीय नागरिकों की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि बस की खिड़की से कूदने में छह यात्रियों को चोट लगी है। यात्रियों के बाहर आते ही बस जलकर पूरी तरह खाक हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस मैगलगंज में सवारियां उतारने और जलपान के लिए रुकी थी, तभी अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा और कुछ ही क्षणों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर यात्रियों की मदद की और सबको सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान घायल हुए यात्रियों को उपचार के लिए एंबुलेंस की मदद से पसगवां व मितौली सीएचसी भेजा गया। आग इतनी भीषण थी कि सूचना के डेढ़ घंटे बाद पहुंची दमकल वाहन से पहले ही बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

यात्रियों का सारा सामान भी आग में स्वाहा हो गया। प्राथमिक अनुमान के अनुसार आग लगने का कारण बस में शॉर्ट सर्किट या आतिशबाजी होना बताया जा रहा है। हालांकि बस से पेट्रोमेक्स सिलेंडर भी मिले हैं। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर रविन्द्र पांडे ने बताया कि बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। सभी यात्री सुरक्षित बचा लिए गए है। मामले में जांच की जा रही है।

दीपावली पर कनपुरियों ने फोड़े 800 करोड़ रुपए के पटाखे

» कानपुर के लोगों ने बनाया अद्भुद रिकॉर्ड

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । रोशनी का त्योहार दीपावली इस साल कानपुर महानगर के लिए शानदार रही. शहर के लोगों ने इस पर्व को मनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और जमकर खरीदारी की. ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस दीपावली पर कानपुर और आसपास के इलाकों में लगभग 800 करोड़ रुपये के पटाखे फोड़े गए हैं. पटाखों की बिक्री का यह रिकॉर्ड तोड़ आंकड़ा शहर के बाज़ारों में आई ज़बरदस्त रौनक और कनपुरियों के ऊँचे उत्साह को दर्शाता है।

त्यौहार से पहले ही थोक और खुदरा बाज़ारों में ग्राहकों की ऐसी भीड़ उमड़ी कि दुकानदारों का सारा माल बिक गया. छोटी फुलझड़ी से लेकर रंगीन हवाई आतिशबाजी तक, हर तरह के पटाखों की मांग बाज़ार में खूब रही.इस साल पटाखों की बिक्री ने व्यापारियों को बड़ी राहत दी है. व्यापारियों के अनुसार बिक्री में यह उछाल पिछले कुछ सालों की तुलना में सबसे ज़्यादा रहा. दीपावली के पहले दिन तक 500 करोड़ रुपए के पटाखे बिक चुके थे. वहीं दीपावली वाले दिन ही लगभग 300 करोड़ रुपए के पटाखे बिके हैं.,800 करोड़ रुपये का यह विशाल कारोबार बताता है कि कानपुर के लोगों ने दिल खोलकर दिवाली मनाई है. बाज़ार में 'अनार', 'चटाई', 'चकरी' और रंगीन आसमान बनाने वाले 'शॉट्स' जैसे पटाखे सबसे ज़्यादा पसंद किए गए. दुकानदारों ने बताया कि कई बाज़ारों में तो स्टॉक खत्म हो गया, जिससे साफ़ है कि कनपुरियों ने इस बार दिवाली मनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी

रिकॉर्डतोड़ बिक्री का सीधा नज़ारा दीपावली की रात आसमान में दिखाई दिया. रात होते ही पूरा शहर पटाखों की आवाज़ और रोशनी से गूँज उठा.हर मोहल्ले और कॉलोनी में देर रात तक लगातार शानदार आतिशबाजी होती रही.आसमान में एक से बढ़कर एक रंगीन नज़ारे देखने को मिले, जिससे त्योहार का माहौल और भी खुशनुमा हो गया. कनपुरियों ने आतिशबाजी के मामले में अपना दम दिखाया और इस भव्य प्रदर्शन से साबित कर दिया कि वे किसी भी उत्सव को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाना जानते हैं।

कानपुर में अनूठा टी-20: कुंवारों का जलवा बरकरार विवाहितों को 15वीं बार चार विकेट से हराया

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मंधना में दीपावली के दिन परेवा पर खेले गए विवाहितों बनाम कुंवारों के अनूठे टी-20 मैच में कुंवारों ने चार विकेट से जीत दर्ज करते हुए 15वीं बार अपना वर्चस्व साबित किया। विशाल तिवारी मैन ऑफ द मैच रहे। कानपुर मे दीपावली के अगले दिन परेवा के अवसर पर मंधना के बीपीएमजी इंटर कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित अनूठे कुंवारों बनाम विवाहितों के टी-20 क्रिकेट मैच में कुंवारों की टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए विवाहितों की टीम को चार विकेट से करारी शिकस्त दी। यह कुंवारों की विवाहितों पर 15वीं लगातार जीत है। कुंवारों की टीम ने टॉस जीतकर पहले विवाहितों को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

विवाहितों की टीम 20 ओवर में 10 विकेट खोकर मात्र 133 रन ही बना सकी। कुंवारों की टीम ने यह लक्ष्य शिवा तिवारी के 17 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत मात्र 11 ओवर में ही हासिल कर लिया। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए विशाल तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने चार गेंदों में 13 रन बनाए और गेंदबाजी में 3.2 ओवरों में मात्र चार रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

पटाखों से 28 लोग झुलसे, हैलट में इलाज जारी

» एक व्यक्ति की आंख फटी; रेटिना डैमेज

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर हैलट में पटाखे छुड़ाने से घायल हुए 28 रोगी इलाज के लिए पहुंचे। 21 लोगों की आंख में चोट लगी, जबकि एक व्यक्ति की आंख फटने के कारण उसका ऑपरेशन किया गया। सात लोगों के हाथ-पैर जले थे।कानपुर में पटाखे जलाने में लापरवाही से 28 लोगों को चोट आई है। रोगियों का हैलट में इलाज किया गया है। सात लोगों के हाथ, पैर और पीठ जल गई। वहीं, 21 की आंख में चोट लगी है। एक व्यक्ति की पूरी आंख फट गई। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ परवेज़ खान ने बताया कि आंख फटने वाले रोगी का ऑपरेशन किया गया।

उसकी रेटिना तथा आंख का सफेद हिस्सा डैमेज हो गया। एक और रोगी गंभीर हालत में भर्ती है। बाकी रोगियों का इलाज करके डिस्चार्ज कर दिया गया। प्लॉस्टिक सर्जन डॉ प्रेम शंकर ने बताया कि हाथ, पैर और पीठ जलने के सात रोगी आए। उन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया। सभी पटाखों से जले थे। बर्न का कोई रोगी भर्ती नहीं है।

खौफनाक इंतकाम

(रिश्तों का कत्ल)

6 लाख की सुपारी देकर दामाद ने कराई ससुर की हत्या

» पत्नी के अफेयर और पारिवारिक विवाद से नाराज दामाद ने बनाई खौफनाक साजिश

» हत्यारों ने चाकू से किए 18 वार, पुलिस ने दामाद मोहित तोमर को किया गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

मृतक ससुर की फाइल फोटो

कानपुर। 55 वर्षीय दिव्यांग किसान राजकुमार सिंह राजावत की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि हत्या का मास्टरमाइंड मृतक का दामाद मोहित तोमर है, जिसने 6 लाख की सुपारी देकर अपने ससुर की हत्या कराई थी।आरोपी मोहित ने पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा था। इस बात की शिकायत जब ससुर राजकुमार से की, तो उन्होंने उल्टा उसे जेल भिजवाने की धमकी दी।

इसी रंजिश में उसने अपने ससुर और पत्नी दोनों की हत्या की योजना बनाई।मोहित ने औरैया के ऋषभ और प्रिंस दुबे नाम के दो युवकों से 6 लाख में सौदा तय किया। 22 जून की रात दोनों ने राजकुमार पर चाकू से 18 बार हमला कर उसकी हत्या कर दी। मोहित हत्या के वक्त पास ही मौजूद था और वारदात को अपनी आंखों से देख रहा था।राजकुमार 17 अक्टूबर से लापता थे। उनकी पत्नी का इलाज कानपुर के मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में चल रहा था। बेटी नम्रता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कुछ दिनों बाद उनका शव जेके कैंसर हॉस्पिटल परिसर से बरामद हुआ।DCP ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया कि हत्या पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के कारण हुई थी। आरोपी मोहित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य दो सुपारी किलर की तलाश जारी है।

कूदने से पहले छह बार हुई थी नेहा की मां से बात

» साक्ष्य मिलते ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

» पुलिस के पास आ गई है नेहा की कॉल डिटेल

» पेशकार और चपरासी पर कस सकती है नकेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कचहरी की छठवीं मंजिल से कूदकर जान देने वाली महिला स्टेनो नेहा ने आत्महत्या से पहले अपनी मां से पांच बार फोन पर बात की थी। पुलिस ने पिता की तहरीर दर्ज कर ली है और पेशकार व चपरासी पर लगे प्रताड़ना के आरोपों की जांच के लिए कार्यालय स्टॉफ के बयान लेगी।कानपुर में सीनियर डिवीजन सिविल जज की कोर्ट में तैनात महिला स्टेनो नेहा (25) ने कचहरी की छठवीं मंजिल से कूदने से पहले अपनी मां से बातचीत की थी। पहला फोन मां की ओर से दोपहर 1-11 बजे आया। इसके बाद दोनों के बीच 1-52 बजे तक पांच बार फोन पर बात हुई। यह जानकारी पुलिस को नेहा की कॉल डिटेल से मिली है।

मां से पहले स्टेनो के पिता ने भी उन्हें फोन किया था। कोतवाली पुलिस माता–पिता से जानकारी जुटा रही है। सोमवार को उनके पिता की तहरीर ले ली गई है। घाटमपुर निवासी नेहा ने शनिवार दोपहर कचहरी की छठवीं मंजिल की छत कूदकर जान दे दी थी। महिला स्टेनो के परिजनों ने कोर्ट के पेशकार और चपरासी पर बेटी को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे ।कोतवाली पुलिस ने पेशकार की ओर से अज्ञात के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की। सोमवार को पुलिस के पास नेहा की कॉल डिटेल आ गई है। कोतवाली इंस्पेक्टर ने बताया कि आखिरी बार उनकी परिजनों से क्या बात हुई थी, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घटना की जानकारी के लिए कार्यालय स्टॉफ के बयान लिए जाएंगे।

प्रशासनिक अधिकारियों से अनुमति प्राप्त कर उनके बयान भी होंगे। महिला स्टेनो ने प्रताड़ित करने की शिकायत जिन अधिकारियों से की थी, उनसे जानकारी भी जुटाई जाएगी। कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि महिला स्टेनो के पिता ने तहरीर दी है। इसको दर्ज एफआईआर के साथ लगाया गया है। साक्ष्य मिलते ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर में सीनियर डिवीजन सिविल जज अमर प्रताप चौधरी की कोर्ट में तैनात स्टेनो घाटमपुर निवासी नेहा (25) ने शनिवार दोपहर कचहरी की छठवीं मंजिल की छत कूदकर जान दे दी थी। उनकी पांच महीने पहले ही कोर्ट में तैनाती हुई थी। परिजनों ने कोर्ट के पेशकार पर डांटने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।एसीपी कोतवाली आकांक्षा पांडेय ने अन्य कर्मचारियों से जानकारी हासिल की। नेहा के परिजनों को सूचना दी गई। थोड़ी देर बाद स्टेनो के घरवाले आ गए। उन्होंने कोर्ट के पेशकार पर बिना वजह डांटने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

फतेहपुर में कानूनगो हैं पिता

इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि कोर्ट स्टेनो बर्रा बाईपास पर शनिदेव मंदिर के पास किराये पर रहती थीं। उनके पिता गोविंद प्रसाद फतेहपुर में कानूनगो हैं, जबकि भाई भानु प्रताप इटावा में सब इंस्पेक्टर हैं। छोटी बहन निशा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है।

लिफ्ट से छत पर पहुंची थी नेहा

सीनियर डिवीजन सिविल जज की कोर्ट ग्राउंड फ्लोर पर है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि नेहा लिफ्ट के सहारे छत पर पहुंची थीं। पहली से लेकर पांचवीं मंजिल तक परिसर बंद है। छठवीं मंजिल पर कोर्ट की फाइलों की स्केनिंग की जा रही है। यहां सिर्फ स्टाफ के लोग ही आते-जाते हैं। नेहा ऊपर गईं और छत से नीचे कूद गईं। पुलिस ने शिनाख्त के लिए काफी देर तक उनके मोबाइल का लॉक खोलने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

कार्यालय में हमेशा रहती थीं गुमसुम

पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि नेहा हमेशा कोर्ट परिसर में गुमसुम सी रहती थीं। वह अक्सर लंच के समय बालकनी में अकेली ही खड़ी रहती थीं। उनकी अन्य स्टाफ से कम बोलचाल ही होती थी। नेहा ने छत से कूदने से पहले किसी से बात भी की थी। इसकी जानकारी पुलिस को मिल गई है।

पूर्व सीएम ने फूड प्लाजा पर कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

सैफई से लखनऊ जा रहे अखिलेश ने बात कर बढ़ाया उत्साह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अरौल/बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सैफई से लखनऊ की ओर जा रहे थे। उन्होंने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर स्थित रेस्ट एरिया फूड प्लाजा पर ठहरकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं ने उन्हें दीपावली की बधाई दी।

अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ सौहार्दपूर्ण वार्ता की और उनके सुझाव सुने। कार्यकर्ताओं ने पार्टी की गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फूड प्लाज के कर्मचारियों को दीपावली के मौके पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी मिलकर समाज और संगठन की प्रगति में योगदान करें। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। इस दौरान सपा नेता हाफिज हसीन खान, सपा नेत्री रचना सिंह गौतम, विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव, बब्लू खां बरकाती, वकार, अंशुमान समेत कई सपाई मौजूद रहे।

चापड़ से बुजुर्ग को घायल करने वाला भेजा जेल

घायल बुजुर्ग का अस्पताल में इलाज जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तरीपुरा बाजार में छोटी दिवाली की शाम चापड़ से हमला कर बुजुर्ग को घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने सोमवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मालूम हो कि आरोपी राजेश कुमार पुत्र कन्हैया लाल गौतम निवासी नाथू झाल मजरा पूरा ने 65 वर्षीय मंतोष सिंह पुत्र रंजीत सिंह निवासी बदन निवादा पर रविवार को चापड़ से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी को मौके से ही चापड़ सहित गिरफ्तार कर लिया था।

कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं घायल बुजुर्ग का इलाज अब भी अस्पताल में जारी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते गिरफ्तारी से बाजार में सुरक्षा का माहौल बहाल हुआ है।

मौत की कगार पर पहुंची महिला के लिए फरिश्ता बनी अरौल पुलिस

» महिला को बचाने के लिए माँ जैसा जज्बा दिखा गई पुलिस।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कहते हैं कि कभी-कभी कुछ सेकेंड ज़िंदगी और मौत के बीच की पूरी कहानी बदल देते हैं। सोमवार को अरौल थाना क्षेत्र में कुछ ऐसा ही हुआ। 45 वर्षीय सोनी पत्नी सुनील दिवाकर, पारिवारिक तनाव से तंग आकर ट्रेन की पटरी पर लेट गई थी। ट्रेन के हॉर्न की आवाज़ पास आते ही एक पल में सबकुछ बदल सकता था। लेकिन अरौल पुलिस ने फिल्मी अंदाज़ में हौसला और फुर्ती दिखाई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जनार्दन सिंह यादव ने टीम को तुरंत मौके पर भेजा। महिला उपनिरीक्षक रिचा शर्मा और सिपाही विशाल जेब्रा जी.पी.आर.डी. कॉलेज के पास पहुंचे और देखा कि सोनी पटरी पर लेटी हुई थी।

पुलिस ने बिना देर किए दौड़ लगाई और समय रहते महिला को पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि महिला पारिवारिक परेशानियों से तंग आकर यह कदम उठा रही थी। पुलिस ने धैर्यपूर्वक उसकी बातें सुनीं जीवन की कीमत समझाई और शासन की सहायता योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि अगर हम चंद सेकंड देर कर देते, तो एक परिवार की दुनिया उजड़ जाती। पुलिस सिर्फ कानून की नहीं, इंसानियत की भी रखवाली करती है।महिला को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है और परिवार को सतर्क रहने की हिदायत दी गई।

बिल्हौरः सिंघाड़ा निकालने गए चार बच्चे तालाब में डूबे

बिल्हौर (कानपुर)। सोमवार सुबह बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के सुजावलपुर के बाहर स्थित तालाब में सिंघाड़ा निकालने गए चार बच्चों के डूबने की घटना ने कस्बे में सनसनी फैला दी। ग्रामीणों की तत्परता से सभी बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन इस हादसे में कन्हैया पुत्र सोनू (12) वर्ष की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

दिवाली पर दुल्हन की तरह सजी तहसील की इमारत

रोशनी के पर्व पर घर-आंगन से लेकर बाजार तक छाई रौनक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दीपों के त्योहार दीपावली पर बिल्हौर कस्बा मानो रोशनी के आगोश में समा गया। तहसील परिसर दुल्हन की तरह सज-धज कर लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। रंग-बिरंगी झालरों और दीपों की लड़ी से सजी बिल्डिंग दूर से ही मनमोहक दिखाई दे रही थी। तो वहीं आसपास के घरों, गलियों और दुकानों पर भी दीपों की कतारें और झालरों की चमक ने सौंदर्य में चार चाँद लगा दिए।

कस्बे के प्रमुख बाजारों स्टेशन रोड, चौक बाजार और सब्जी मंडी क्षेत्र में भारी भीड़ देखी गई। खरीदारी के साथ लोग दीपों की सजावट का आनंद लेते रहे। मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें रहीं, वहीं बच्चों ने पटाखों और फुलझड़ियों से रात को रौशन कर दिया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस बार दीपावली पर सजावट पहले से कहीं अधिक भव्य रही। हर गली, हर छत और हर द्वार पर दीपों की लौ से उजियारा फैलता दिखा मानो पूरा बिल्हौर खुशियों की रोशनी में नहा उठा हो।

बिल्हौर और शिशुपुर में नए पुल निर्माण की तैयारी पूरी

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर और शिशुपुर में नदियों पर पुल निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। सेतु निगम ने डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को भेज दी है और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य तुरंत शुरू होगा। बिल्हौर तहसील के बिर्रा खानपुर के पास ईशन नदी पर 17.38 करोड़ लागत से 107.08 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा। इस परियोजना में पुल तक पहुंच मार्ग, सुरक्षा कार्य और अतिरिक्त संपर्क मार्ग का निर्माण भी शामिल होगा। पुल बन जाने के बाद रसूलाबाद, मकनपुर, देवहा और बिल्हौर सीधे जुड़ जाएंगे। शिशुपुर-शाह मार्ग पर पांडु नदी पर 71.78 मीटर लंबा पुल बनेगा। इस परियोजना में संपर्क मार्ग और सुरक्षा कार्य शामिल हैं।

सम्पादकीय

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना–नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन–सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी।

साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया।

उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ।

पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद–हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा।

हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत–पाक के बीच शांति पसंद नहीं है।

तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

डॉ. जगदीप सिंह

ऑपरेशन सिंदूर उद्दंड पड़ोसी से निबटने में भारत की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। जिसका पहला बिंदु, देश के बाहर से आतंकी हमले के जवाब में सीमापार कड़ी सैन्य कार्रवाई करना है। यह पाकिस्तानी सेना को तय करना है कि सैन्य-जिहाद परिसर खत्म करे या फिर विनाशक संघर्ष भुगते। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ कि अब फोकस सबूत सौंपने पर नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क तोड़ने पर है।छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ श्रृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई।

भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा।

भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतः पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6–7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत–लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा–जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'ज्अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य–जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिन्दगी

मानवीय त्रासदी

क्षमा शर्मा

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं।टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज–चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार–छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे–जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता–पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता–पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने

के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर–दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी–अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है– 'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते–सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी–अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला।

किसी हीरोइन से कम नहीं हैं मनोज कुमार की पोती!

कोविड में शादी कर चर्चा में आईं

भारतीय सिनेमा के दिग्गज एक्टर और डायरेक्टर मनोज कुमार हमारे बीच नहीं रहें। अभिनेता को अचानक से निधन के कारण फिल्म इंडस्ड्री में शोक की लहर फैल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें हार्ट अटैक के कारण कार्डियोजेनिक शॉक पड़ा है। इस बीच उनके परिवार की एक सदस्य चर्चा का विषय बन चुकी हैं। एक्टर की पोती मुस्कान काफी सुर्खियों में है, आइए आपको बताते हैं इनके बारे में-

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का लंबी बीमारी के बाद मुंबई में निधन हो गया। एक्टर 87 वर्ष के थे। कुमार को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। एक्टर को भारत नास से भी जाना जाता था और आज लोग उन्हें इसी नाम से जानते हैं। इस बीच एक्टर की पोती मुस्कान गोस्वामी ओहरी का 6 साल पहले अंदाज वायरल हो रहा है। कोविड के दौरान मुस्कान ने बिजनेसमैन निखिल ओहरी के शादी की बाद उनकी तस्वीरें देखकर सब उनको हीरोइन समझ रहे। आइए आपको इस लुक के बारे में बताते हैं।

आपको बता दें कि, मुस्कान और निखिल की शादी साल 2021 में हुई। मुस्कान ने डिजाइनर रिम्पल और हरप्रीत का खूबसूरत गोल्डन फ्लोरल लहंगा पहना है, तो दूसरी ओर उनके पति ने बेज कलर की शेरवानी के साथ लुक को कॉम्प्लिमेंट कर गए। शेरवानी पर फूलों की कढ़ाई और वाइट पर्ल्स लेयर्ड माला पहन रखी है।

मुस्कान के लहंगा की बात करें तो यह बेहद ही खूबसूरत है। हसीना के वेडिंग के लुक को देखकर सभी उन्हें हीरोइन समझ रहे हैं। मुस्कान की नेकलाइन वाली चोली को सेक्वीन सितारों और कढ़ाई से हैवी लुक दिया गया, तो लहंगा काफी भारी-भरकम लग रहा है। इसके साथ ही जूलरी ने भी आग लगा रखी है। मुस्कान ने स्टेटमेंट नेकलेस पहना, तो मैचिंग झुमके, मांग टीका, नथ और कलीरे बेहद प्यारे लग रहे हैं। हसीना ने लाइट पिंक चूड़ा पहना है, जो लहंगे से मैच कर रहा है।

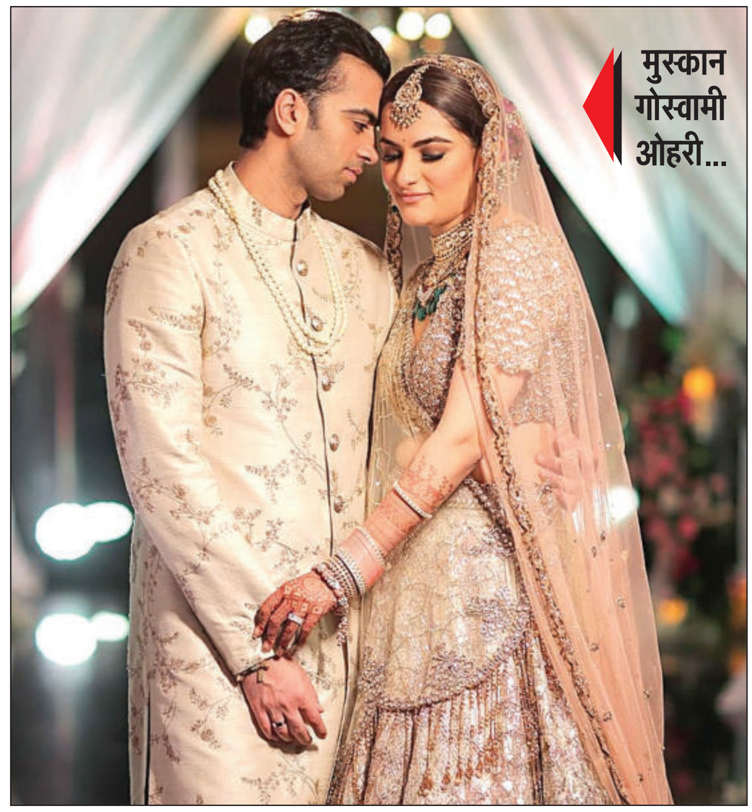

केवाईसी अपडेट फ्रॉड के मामलों में रही बढ़ोत्तरी

जानें सुरक्षित रहने के उपाय...

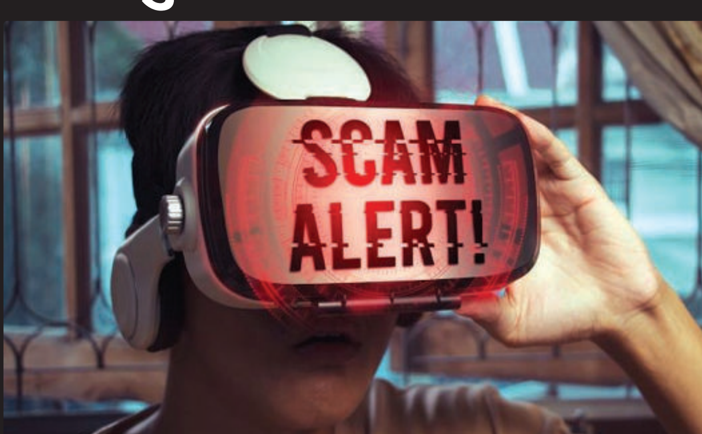

टेक्नोलॉजी

आज के डिजिटल युग में जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं साइबर अपराधियों ने भी इसका गलत फायदा उठाना शुरू कर दिया है। इन दिनों केवाईसी फॉड के मामलों में भारी वृद्धि हो रही है। यह एक ऐसा साइबर अपराध है जिसमें धोखेबाज आपके व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को चुराकर आपको ठगते हैं। ऐसे में, केवाईसी फॉड से सतर्क रहना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि केवाईसी फॉड कैसे होता है और इससे बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

केवाईसी प्रक्रिया बैंकों, वित्तीय संस्थानों और अन्य कंपनियों द्वारा ग्राहक की पहचान को सत्यापित करने के लिए की जाती है। हालांकि, साइबर अपराधी इस प्रक्रिया का दुरुपयोग कर लोगों से उनकी गोपनीय जानकारी चुरा लेते हैं। वे खुद को किसी बैंक, कंपनी, या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताते हैं और लोगों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी मांगते हैं। लोग अक्सर इस धोखाधड़ी के जाल में फंस जाते हैं और अपनी बैंक डिटेल्स, आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, और अन्य निजी जानकारी साझा कर देते हैं।

अपराधी अलग-अलग तरीकों से केवाईसी करते हैं फ्रॉड

धोखेबाज आपको कॉल करके यह दावा करते हैं कि आपकी केवाईसी जानकारी अपडेट करनी है और इसके लिए आपको कुछ दस्तावेज़ों और बैंक डिटेल्स की जानकारी देनी होगी। कई बार वे किसी ऐप या वेबसाइट का लिंक भी भेजते हैं, जिसे खोलने पर आपका निजी डेटा चोरी हो जाता है।

केवाईसी फ्रॉड के तहत फिशिंग ईमेल और एसएमएस का भी इस्तेमाल किया जाता है। आपको एक संदिग्ध लिंक के साथ मैसेज या ईमेल मिलता है, जिसमें यह कहा जाता है कि अगर आपने अपनी केवाईसी अपडेट नहीं की, तो आपका बैंक खाता या सिम कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा। इस डर के चलते लोग जल्दबाजी में उस लिंक पर क्लिक कर देते हैं, और उनकी जानकारी चोरी हो जाती है।

ठगी से ऐसे बचें

किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल, मैसेज, या ईमेल पर दिए गए लिंक पर कभी भी क्लिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी पर्सनल जानकारी साझा न करें, चाहे वह खुद को किसी बैंक का अधिकारी बताता हो या सरकारी एजेंसी से होने का दावा करता हो। अगर कोई कॉल, मैसेज, या ईमेल के जरिए आपसे व्यक्तिगत जानकारी मांगी जा रही है, तो पहले उसे किसी अधिकृत स्थान से वेरिफाई करें। किसी भी ईमेल या मैसेज में दिए गए लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के क्लिक न करें। ये लिंक आपकी जानकारी को चोरी करने का जरिया हो सकते हैं।

अनजान नंबर से आए कॉल और मैसेज के जरिए अगर कोई आपको किसी एप या वेबसाइट को खोलने के लिए कहता है, तो उस पर क्लिक न करें। इन एप्स या वेबसाइट्स के जरिए आपका डेटा चोरी हो सकता है। हमेशा सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल करें। पब्लिक वाईफाई का उपयोग करने से बचें, क्योंकि साइबर अपराधी इस नेटवर्क के जरिए आपके डिवाइस तक पहुंच सकते हैं और आपकी जानकारी चुरा सकते हैं। अपने डिवाइस में एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल करें और नियमित रूप से अपने पासवर्ड को अपडेट करें।

अगर आप सतर्क रहें और ऊपर दिए गए सुझावों का पालन करें, तो आप इस धोखाधड़ी से बच सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करते वक्त सुरक्षित तरीकों को अपनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि से सतर्क रहें। साइबर अपराधी अक्सर आपकी लापरवाही का फायदा उठाते हैं, इसलिए हमेशा सतर्क और जागरूक रहें।

पढ़ते समय नींद से भर जाती हैं आंखें?

अपनाएं ये तरीके लगने लगेगा पढ़ाई में मन

आजकल माता पिता बच्चों की इस आदत से परेशान रहते हैं कि एग्जाम टाइम में पढ़ने के लिए बैठते ही उनकी आंखों में नींद भर जाती है। लेकिन यही बच्चा घंटों टीवी या मोबाइल को बिना पलक झपकाए टकटकी लगाए देखता रहता है। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है तो उसे बिना डांटे-मारे ये कुछ पेरेंटिंग टिप्स अपनाकर अपनी इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। दरअसल, बच्चों का मन बेहद चंचल होता है। ऐसे में उनका पढ़ाई के बीच में से बार-बार उठना या ध्यान भटकाना स्वाभाविक होता है। उन्हें एक अच्छे अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आइए आज के पेरेंटिंग टिप्स में जानते हैं बच्चे को पढ़ाई के बीच में नींद लेने से कैसे रोका जा सकता है।

बच्चे के शरीर में ऊर्जा का स्तर अच्छा बनाए रखने के लिए सबसे पहले उसकी नींद का शेड्यूल तय करें। इसके लिए बच्चे का टाइम टेबल ऐसा बनाएं, जिसमें उसके उठने और सोने का एक निश्चित समय तय हो। ऐसा करने से बच्चे के शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे बच्चे की नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। बच्चे के साथ अपनाया गया ये उपाय पढ़ाई के दौरान उसे नींद आने की संभावना को कम कर सकता है।

नियमित समय पर ब्रेक लें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ने से बच्चे को मानसिक थकान और नींद आ सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग करें। इस तकनीक में 25 मिनट तक अध्ययन करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें। ब्रेक के दौरान बॉडी में एनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए स्ट्रेच करें या घर का एक चक्कर लगाकर आ जाएं।

अनहेल्दी भोजन करने से होती है बच्चों को थकान महसूस

शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी भोजन करने से बच्चे को थकन महसूस हो सकती है। ऐसे में अध्ययन करते समय बीच-बीच में खूब पानी पिएं स्नैक्स में नट्स, फल या दही जैसी चीजों को शामिल करें। पढ़ने से पहले कभी भी कार्ब रिच फूड का सेवन ना करें। ऐसा भोजन करने से आपको सुस्ती और नींद आ सकती है।

अध्ययन करते समय नींद को भगाने के लिए अपने लिए एक निर्धारित लक्ष्य जरूर रखें। जिसमें अध्ययन से जुड़े पाठ और उन्हें याद करने के लिए दिए जाने वाले समय को विभाजित करें।

झुककर बैठने से आपको अधिक थकान महसूस हो सकती है। अपने पैरों को फर्श पर सपाट रखते हुए सीधे बैठकर सही मुद्रा में बैठकर पढ़ने की कोशिश करें।

दिल्ली से ज्यादा दमघोंटू निकला लखनऊ

दिवाली पर टूटा पांच साल का रिकॉर्ड, शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 419 पहुंचा, 'हैजर्डस जोन' में पहुंची हवा

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की हवा इस बार दिवाली पर जहरीली हो गई। सोमवार और मंगलवार की रात शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 419 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच सालों का सबसे ऊंचा स्तर है। इतना ही नहीं, लखनऊ ने प्रदूषण के मामले में दिल्ली को भी पीछे छोड़ दिया है। 419 का आंकड़ा हैजर्डस जोन यानी अत्यंत खतरनाक श्रेणी में आता है, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। दिवाली पर आतिशबाजी और वाहनों के धुएं ने मिलकर हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा कई गुना बढ़ा दी।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, लखनऊ में PM10 का स्तर 374 और PM2.5 का स्तर 284 तक पहुंच गया, जो सामान्य सीमा से करीब छह गुना अधिक है। लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं और नागरिकों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से वाहनों का प्रयोग न करें तथा खुले में कचरा या प्लास्टिक न जलाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में बच्चे, बुजुर्ग और अस्थमा या श्वसन रोग से पीड़ित लोग विशेष सावधानी बरतें।

तुलनात्मक रूप से पिछले वर्षों में AQI इस प्रकार रहा–
2021-177
2022- 186
2023- 152
2024 130

अक्टूबर का सबसे प्रदूषित महीना

यह अक्टूबर लखनऊ के इतिहास में सबसे प्रदूषित महीना साबित हुआ है। दिवाली से पहले 19 अक्टूबर को भी शहर का AQI 173 दर्ज किया गया था, जो पिछले पांच सालों में अक्टूबर का सबसे ऊंचा स्तर था।

क्या है छठ पर चलाई गई 12 हज़ार स्पेशल ट्रेनों का सच...?

देश के कई स्टेशनों पर अफरातफरी, टिकट के लिए लंबी लाइनें, ठसाठस डिब्बों में सफर से खुली पोल

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। दीपावली और छठ पर्व के मौके पर रेलवे ने दावा किया कि यात्रियों की सुविधा के लिए इस बार 卐12 हज़ार स्पेशल ट्रेनें卐 चलाई जा रही हैं। बयान सुनकर लगा कि इस बार घर लौटना आसान होगा। मगर जब मैदान में हालात देखे – स्टेशनों पर अफरातफरी, टिकट के लिए लंबी लाइनें, ठसाठस डिब्बों में सफर और यात्रियों पर लाठियाँ बरसाते सुरक्षाकर्मी – तो सवाल उठना लाजिमी था कि आखिर ये 12 हज़ार ट्रेनें गईं कहां?

(स्वराज इंडिया की विशेष रिपोर्ट)

टीम स्वराज इंडिया ने जब रेल मंत्री के इस दावे की गहराई से जांच की, तो पता चला कि ये 12 हज़ार ट्रेनें नहीं बल्कि 12 हज़ार ट्रिप्स थीं। रेलवे के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, देश में रोजाना करीब 13,000 से 14,000 यात्री ट्रेनें (मेल/एक्सप्रेस, पैसेंजर, उपनगरीय सहित) चलती हैं। यानी रेलवे की पूरी मौजूदा क्षमता ही इतनी है। तो भला 12 हज़ार नई ट्रेनें चलाने की बात व्यावहारिक रूप से कैसे संभव थी? रेलवे के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने बताया रेल मंत्री के बयान में 'ट्रेनों' नहीं, 'ट्रिप्स' की बात थी। एक ही ट्रेन कई बार चलती है और हर बार को एक ट्रिप माना जाता है। जैसे दिल्लीह्रपटना स्पेशल ट्रेन अगर दस बार चली, तो उसे दस ट्रिप्स गिना गया।

आंकड़ों में खेल समझिए

पीआईबी की 20 अक्टूबर 2025 की रिपोर्ट के अनुसार,1 अक्टूबर से 15 नवंबर तक कुल 12,011 स्पेशल ट्रिप्स का लक्ष्य रखा गया था।

इससे पहले वर्ष 2024 में यह संख्या मात्र 6,556 ट्रिप्स थी।अर्थात् इस बार ट्रिप्स की संख्या लगभग दोगुनी की गई।रेलवे के पास कुल लगभग 10,000-11,000 रेक्स (फिजिकल ट्रेन सेट्स) हैं, जिनमें से 80-85प्रतिशत पहले से नियमित सेवाओं में चलते हैं। बाकी रेक्स को स्पेशल ट्रिप्स के लिए लगाया गया। कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए, और छोटे रूट्स जैसे दिल्ली मुजफ्फरपुर, मुंबई-दरभंगा पर छोटी दूरी की ट्रिप्स कराई गईं।

रेलवे मंत्रालय बताए कि फिर हंगामा क्यों?

मुद्दा यह है कि छठ पर 2-3 करोड़ लोग बिहार-यूपी लौटते हैं, जबकि इन 12,000 ट्रिप्स से सिर्फ 1.2-1.5 करोड़ यात्रियों को ही समायोजित किया जा सकता है।

बाकी यात्रियों को नियमित ट्रेनों में जगह न मिलने से वेटिंग लिस्ट 500+ तक जा पहुँची।

रेलवे की क्षमता सीमित है – ट्रैक, प्लेटफॉर्म और सिग्नलिंग सिस्टम पहले से ही ओवरलोड हैं। नतीजा – अफरातफरी, ओवरक्राउडिंग और टिकट ब्लैकिंग का बाजार।

रेलवे की कन्फ्यूजन या चालाकी?

मीडिया के कई हिस्सों ने बिना जांच किए 12 हज़ार ट्रेनों का प्रचार किया।

रेलवे ने इस गलती का खंडन नहीं किया, बल्कि वाहवाही लूटने में ही संतोष किया।

जानकारों का कहना है कि यह कम्युनिकेशन मिस्टेक नहीं, बल्कि पॉलिटिकल कम्युनिकेशन का क्लासिक उदाहरण है – आंकड़ों को तकनीकी शब्दों में पेश कर भ्रम पैदा करना, ताकि जनता को लगे कि व्यवस्था अभूतपूर्व काम कर रही है।

दरअसल 12 हज़ार ट्रिप्स हैं – यानी एक ही ट्रेन का बार-बार संचालन।दावा गलत नहीं, मगर भ्रामक जरूर है।

रेलवे की सीमित क्षमता, भीड़ का गलत अनुमान और मीडिया की चापलूसी ने मिलकर इस पूरे सिस्टम को झोल में बदल दिया।

और यही है मोदी सरकार की खासियत – आंकड़ों से वाहवाही, ज़मीनी हकीकत में अव्यवस्था।

शव रख कर सड़क जाम किए परिजन

बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, गिरफ्तारी की मांग पर परिजनों का बवाल

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

सुल्तानपुर। जनपद के अखंडनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना ने लोगों को झकझोर दिया। क्षेत्र के 70 वर्षीय उमाशंकर दुबे की पशु चराते समय कुछ दबंगों ने लाठी–डंडों से पीट–पीटकर हत्या कर दी।

गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अखंडनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी से पहले शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव को उठाकर थाने पर पहुंच गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग थाने और अखंडनगर चौराहा पर जमा हो गए तथा सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ग्रामीणों की मांग है कि हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए और मृतक परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों को शांत कराने की कोशिशें शुरू कर दी हैं।

दिवाली की रात सनसनीखेज मर्डर

» सड़क किनारे मिला युवक का शव, 30 नवंबर को होनी थी शादी

» शराब फैक्ट्री में सुपरवाइजर था मृतक गौरव

» दोस्तों से मिलने गया था, लौटते वक्त चली गोली फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, एसपी ने बनाई तीन टीमें

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। दिवाली की रोशनी में जश्न मनाते गांव की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब देर रात गोलियों की गूंज से शेरपुर तरौंदा गांव दहल उठा। गजनेर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात 24 वर्षीय गौरव अवस्थी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह गांव के बाहर नंगापुर मोड़ के पास सड़क किनारे उसका लहूलुहान शव पड़ा मिला तो इलाके में सनसनी फैल गई।

गौरव अवस्थी मूल रूप से बिधनू (कानपुर नगर) का रहने वाला था और कई वर्षों से अपने नाना शिवनारायण तिवारी के यहां शेरपुर तरौंदा गांव में रह रहा था। वह रनिया स्थित एक शराब फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था।सोमवार की रात गौरव अपने दोस्त बउआ सिंह के घर ररुआ गांव गया था। देर रात लौटते वक्त रास्ते में किसी ने उसे करीब से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, 30 नवंबर को होनी थी शादी

शराब फैक्ट्री में सुपरवाइजर था मृतक गौरव , दोस्तों से मिलने गया था, लौटते वक्त चली गोली फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, एसपी ने बनाई तीन टीमें

एसपी ने बनाई तीन टीमें, फॉरेंसिक जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे, एएसपी राजेश पांडे और सीओ सदर संजय वर्मा ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया।

फॉरेंसिक टीम और डॉग स्कायड ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को दो खाली कारतूस बरामद हुए हैं।एसपी ने इंस्पेक्टर गजनेर को तत्काल मुकदमा दर्ज करने और हत्यारों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। सीओ सदर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।तीन पुलिस टीमों को विभिन्न संभावित ठिकानों पर तलाश अभियान में लगाया गया है।

मृतक गौरव अवस्थी की फाइल फोटो

मां-बेटे का रिश्ता टूटा, घर में मातम

गौरव की शादी इसी 30 नवंबर को तय थी, पर अब घर में शादी की जगह मातम पसरा है।
मां बेबी देवी और नानी मुन्नी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।
परिवार के मुताबिक गौरव अपने ससुराल पक्ष से भी संपर्क में था – पुलिस इस एंगल को भी खंगाल रही है।

हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का शक !

जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पुलिस प्रेम प्रसंग या रंजिश की आशंका पर भी जांच कर रही है।

क्योंकि गौरव की शादी नजदीक थी और हत्या से पहले किसी करीबी के बुलावे पर बाहर जाना, शक को और गहरा कर रहा है। दिवाली की रात जलते दीयों के बीच बुझ गया एक घर का चिरागज अब सवाल यह है कि गौरव की मौत के पीछे कौन है – दोस्त, दुश्मन या कोई नजदीकी चेहरा?

घटना के बाद गांव पहुंची पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे

एक फूंक से फेफड़ों की बीमारी बताने वाले स्टार्टअप मेदांत्रिक को किकस्टार्टर अवार्ड

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। एक फूंक से फेफड़ों की बीमारी बताने वाले आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप मेदांत्रिक को बीएफआई-बायोमी कोहार्ट 2025 इनोवेशन प्रोग्राम में किकस्टार्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड मेडटेक एवं हेल्थ केयर कैटेगरी में मिला है।इस कैटेगरी में संस्थान के एक और स्टार्टअप रिप्पल हेल्थकेयर को भी अवार्ड मिला है। आईआईटी के स्टार्टअप इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) के प्रोफेसर इन चार्ज प्रो. दीपू फिलिप ने विजेताओं को बधाई दी है।पर्यावरण प्रदूषण की वजह से भी फेफड़े खराब हो रहे हैं। इसे देखते हुए आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप मेदांत्रिक के फाउंडर प्रियरंजन तिवारी ने इनहेलर की तरह का एक उपकरण विकसित किया है। इसमें एक फूंक मारते ही फेफड़ों के स्वास्थ्य की रिपोर्ट आपके मोबाइल पर मिल जाएगी।इससे यह पता चल जाएगा कि आपके फेफड़ों की स्थिति क्या है। जिस प्रकार से स्वास्थ्य रोगी इनहेलर का इस्तेमाल करके दवा लेते हैं उसी तरीके से यह डिवाइस काम करती है। इसको जब कोई व्यक्ति अपने मुंह पर लगाकर तेजी से फूंक मारेगा तो लगभग 50 सेकेंड में यह रिपोर्ट दे देगी। यह डिवाइस नेबुलाइजर और एक्सरसाइजर के रूप में भी काम करेगी।डिवाइस को फोन से जोड़ने के बाद उसके एप में आपको अपनी जानकारी देनी होगी। नाम, उम्र, वजन, लंबाई की डिटेल भरनी होगी। अगर आप सिगरेट या कोई नशा करते हैं तो उसकी भी जानकारी देनी होगी। इसके बाद स्वस्थ फेफड़ों की तुलना में आपकी रिपोर्ट जारी की जाएगी।

प्रियरंजन ने बताया कि इस डिवाइस की मदद से व्यक्ति को जल्दी और आसानी से रिपोर्ट मिलेगी तो वह समय से इलाज करा सकेगा। इस डिवाइस का क्लीनिकल ट्रायल जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज समेत दिल्ली के कई प्रमुख अस्पतालों में हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

एसपी का स्नेह पाकर खिले वृद्धजनों के चेहरे

मिठाई, फुलझड़ियां, मोमबत्ती, कपड़े व उपहार दिए गिफ्ट

» श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय को बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद।

» स्वराज इंडिया न्यूज।

कानपुर देहात। अपनो से ठोकर खाकर वृद्धाश्रम में जीवन बिता रहे वृद्धजन रोशनी के पर्व दीपावली पर लोकप्रिय एसपी को अपने बीच पाकर खुश दिखाए दिए। एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने रनिया स्थित वृद्धाश्रम में सपरिवार पहुंचकर वृद्धजनों को मिठाई, फुलझड़िया, मोमबत्ती, कपड़े व फल आदि उपहार वितरित करने के साथ-साथ सभी शुभकामनाएं भी दीं।

सोमवार को जहां लोग अपनों के बीच दीपावली का पर्व मना रहे थे। तो वहीं एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय अपनी मां मीरा पाण्डेय और बेटी यशस्वी पाण्डेय के साथ वृद्धाश्रम में मौजूद वृद्धजनों के बीच दीपोत्सव पर्व की खुशियां बांट रहीं थी। इससे पूर्व एसपी ने वृद्धाश्रम का भ्रमण कर वृद्धजनों के बीच खुशी का संचार करते हुए दीपावली व भाईदूज पर्व की बधाई एवं शुभाकामनाएं दी। एसपी के साथ दीपावली का पर्व मना रहे वृद्धजनों ने उनके सिर पर हाथ रखकर सदा खुश रहने का आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान सीओ संजय वर्मा, सीओ लाइन आलोक सिंह, थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह व अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्तव्य की बलिवेदी पर अमर हुए वीर सपूतों को एडीजी ने किया नमन

पुलिस स्मृति दिवस पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

» कानपुर, स्वराज इंडिया न्यूज।

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को कानपुर रिज़र्व पुलिस लाइन में शहीद स्मारक पर भावनात्मक माहौल देखने को मिला। समारोह में प्रदेश पुलिस के जांबाज सिपाहियों के बलिदान को नमन करते हुए अधिकारी और जवान देशभक्ति की भावना से सराबोर दिखाई दिए।

कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) आलोक सिंह ने कहा कि कर्तव्यपथ पर बलिदान देने वाले पुलिसकर्मी हमारे आदर्श हैं। उनका समर्पण, साहस और निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

इस मौके पर पुलिस आयुक्त कानपुर रघुवीर लाल, अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) आशुतोष कुमार, तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर रेंज हरीश चन्दर सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मौजूद पुलिसकर्मियों ने शहीद साथियों के परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा और राष्ट्र सेवा के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर पुलिस बैंड की स्वर लहरियों के बीच जब अमर जवान के जयकारे गूंजे, तो पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

एडीजी आलोक सिंह ने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था की रखवाली नहीं करती, बल्कि हर संकट की घड़ी में समाज की ढाल बनकर खड़ी रहती है। शहीद पुलिसकर्मियों का बलिदान इस गौरवशाली परंपरा की अमर मिसाल है।

शार्ट सर्किट से चौक राजा गली में राख हुई दुकानें

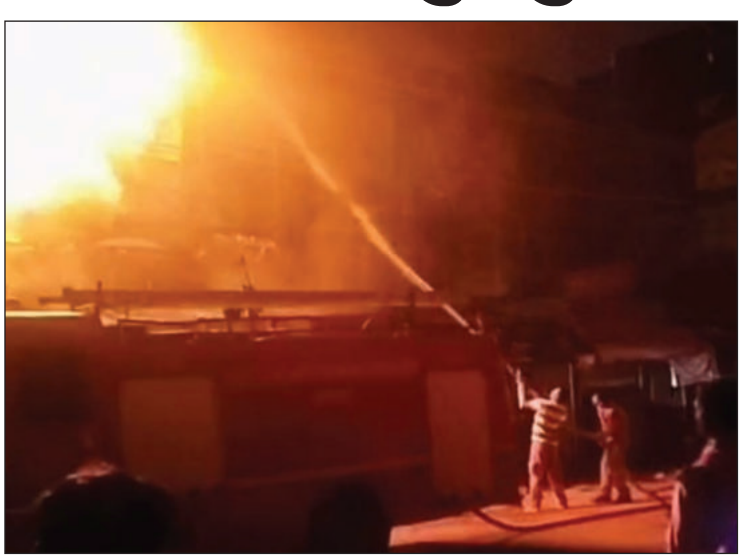

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या। बीती आधी रात करीब 1 बजे चौक राजा गली में अचानक आग की लपटें आसमान छूने लगीं। हट्टीदीन गुप्ता की दुकान से निकली चिंगारी ने बगल की दुकानों को भी अपनी आगोश में ले लिया। देखते ही देखते लाखों का माल धू-धू कर जल उठा। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने पहले खुद ही बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि सबकुछ राख में बदलता चला गया। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों की मेहनत की पूंजी राख में तब्दील हो गई।

सड़क हादसों में एक की मौत, पांच घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या। जिले में सोमवार का दिन सड़क हादसों से दहल गया। अलग-अलग स्थानों पर हुए तीन हादसों में एक बुजुर्ग महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। रायबरेली-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम सभा पारा ब्रह्मानान के पास 70 वर्षीय बालकरण यादव को तेज रफ्तार बुलेट ने टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गांव में मातम छा गया।

वहीं मवई थाना क्षेत्र में अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर छुट्टा मवेशी से टकराने से बाइक सवार रामकिशोर राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टरों ने उन्हें रेफर कर दिया। तीसरा हादसा तारुन थाना क्षेत्र में हुआ, जहां दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हुए। इनमें एक को गंभीर हालत में रेफर किया गया।

अन्नकूट की थाली, 108 सब्जी वाली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर। गोवर्धन पूजा पर भगवान को विभिन्न प्रकार की सब्जियों का भोग लगता है। कानपुर में कुछ अलग तरह की सब्जियां इस मौके पर मिलती है। मारवाड़ी कॉलेज सब्जी मंडी में इन विशेष सब्जियों के स्टाल लगते है। जिनमें करीब 100 से अधिक प्रकार की सब्जियों से भरी डलिया मिलती है। इन सब्जियों में कई सब्जियां ऐसी होती है। जो आम तौर पर मार्केट में नहीं दिखती। 50 रुपये से लेकर 100 रुपये तक की इन सब्जियों की डलिया खरीदने के लिए सुबह से ही मंडी में भीड़ लग जाती है। सब्जी दुकानदार राजकमल का कहना है कि डलिया में 108 तरह की सब्जियां होती हैं। इन सब्जियों को इकट्ठा करने में तीन दिन पहले से जुटना पड़ता है।

अयोध्या की रामलीला में नारद बन कर

अमर हुए असरानी

» अयोध्या की रामलीला का वो पहला दृश्य, जो आज भी गूंजता है

» कोरोना काल में जब सब डर रहे थे, तब असरानी मंच पर उतरे थे 'नारद मुनि' बनकर

» अयोध्या की रामलीला के इतिहास में दर्ज हो गया वो पल

20 अक्टूबर 2025 की शाम, मुंबई के सांताक्रूज़ श्मशान में असरानी का अंतिम संस्कार हुआ।कोई तामझाम नहीं, कोई कैमरा नहीं – बस परिवार, कुछ करीबी और उनकी शांत मुस्कान की याद। रामलीला कमेटी के कई सदस्य बोले वो नारद बनकर आए थे, शायद अब प्रभु के संदेशवाहक बनकर लौट गए।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दीपावली की शाम जब पूरी अयोध्या रोशनी में नहा रही थी, तभी मुंबई से आई एक ख़बर ने न जाने कितनों के दिल बुझा दिए बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता असरानी नहीं रहे। लेकिन अयोध्या के लिए असरानी सिर्फ़ 'फिल्म अभिनेता' नहीं थे, वो रामलीला के नारद मुनि थे वो चेहरा, जिसने संकट के अंधेरे में भी भक्ति और विनोद का उजाला फैलाया था। साल 2020, जब पूरा देश कोरोना की भयावहता से जूझ रहा था। अयोध्या की रामलीला भी अनिश्चितता में थी। लेकिन तभी असरानी ने बिना किसी डर या हिचक के मंच संभाला नारद मुनि बनकर।

रामलीला के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष मलिक बाबी याद करते हैं

पहला सीन उन्हीं का था। जब असरानी जी मंच पर आए, तो लगा मानो नारद मुनि स्वयं पृथ्वी पर अवतरित हो गए हों। उनका अभिनय, उनका भाव, उनकी ऊर्जा सब दिव्य लग रहे थे। उस दिन उन्होंने साबित किया कि सच्चा कलाकार परिस्थिति नहीं, संवेदना से जिया करता है।

सिनेमा से रामलीला तक – एक साधक की यात्रा

गोवर्धन असरानी, यानी वो चेहरा जिसे देश ने शोले और चुपके चुपके जैसी फिल्मों में देखा, लेकिन अयोध्या ने उन्हें एक नए रूप में जाना एक भक्त, एक सेतु, एक साधक के रूप में। कोरोना के दौरान उन्होंने न सिर्फ़ अभिनय किया बल्कि बाकी कलाकारों में हिम्मत भी जगाई।

उन्होंने कहा था अगर भगवान की लीला रुक जाए, तो डर जीत जाएगा। नारद डरता नहीं, संदेश लेकर आता है।

असरानी जब मंच पर आए, तो पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। कैमरे ऑन हुए, लाइव स्ट्रीम शुरू हुई, और दुनिया भर के राम भक्तों ने टीवी स्क्रीन पर देखा नारद मुनि का वो पहला संवाद, जो आज भी कई कलाकारों की जुबान पर है। वो बोले —नारायण... नारायण... हे प्रभु, आपकी लीला अनंत है, और ये भक्त बस निमित्त मात्र है। ये संवाद आज असरानी की स्मृति को जीवंत रखे हुए है।

एलडीए में बेलगाम प्रवर्तन: ड्रोन ने खोली अवैध निर्माणों की पोल

» लापरवाह इंजीनियरों की मनमानी उजागर

» लखनऊ में 3,232 अवैध निर्माणों का खुलासा

» एलडीए की बड़ी कार्रवाई से प्रवर्तन में तैनात इंजीनियरों और कर्मियों में हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास की तस्वीर को धुंधला कर रहे अवैध निर्माणों का बड़ा खुलासा हुआ है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की ओर से कराए गए ड्रोन सर्वे ने उन गड़बड़ियों को उजागर कर दिया है, जिन्हें वर्षों से इंजीनियरों और बिल्डरों की सांठगांठ ने छुपा रखा था। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर चलाए गए इस हाईटेक अभियान में अब तक 3,232 अवैध निर्माण चिह्नित किए जा चुके हैं। इनमें से 470 निर्माणों को ध्वस्त किया गया है, जबकि 830 भवनों को सील करने की कार्रवाई की जा चुकी है।

एलडीए प्रशासन ने बताया कि राजधानी के विकास क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 352 गांवों में ड्रोन सर्वे कराया जा रहा है। अब तक 181 गांवों का सर्वे पूरा हो चुका है, और इन गांवों में अवैध प्लॉटिंग से लेकर कॉलोनियों, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और बहुमंजिला इमारतों तक का जाल सामने आया है एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि ड्रोन सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद संबंधित क्षेत्र के इंजीनियरों से जवाब-तलब किया जा रहा है। इससे यह पता लगाया जा रहा है कि किन अधिकारियों ने जानबूझकर अवैध निर्माणों को नजरअंदाज किया। दोषी इंजीनियरों पर भी कड़ी विभागीय कार्रवाई की तैयारी है।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार

लखनऊ में वर्षों से कई इलाकों में बिना नक्शा पास कराए निर्माण, अवैध प्लॉटिंग और बिल्डरों की मनमानी से शहर की योजनाबद्ध विकास प्रक्रिया बाधित रही है। अब ड्रोन सर्वे के जरिए प्रशासन ने यह साफ संदेश दिया है कि अवैध निर्माण किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे।शहरवासियों का कहना है कि अगर यह अभियान ईमानदारी से जारी रहा, तो लखनऊ में न सिर्फ अवैध निर्माणों पर लगाम लगेगी बल्कि शहर की सुंदरता और सुव्यवस्थित विकास का रास्ता भी साफ होगा।

अयोध्या

(गुरु वशिष्ठ गुरुकुल)

अयोध्या की पावन धरती पर पुनर्जागृत होती ऋषि-संस्कृति परंपरा

» समर्पण की प्रतिमा – गुरुकुल के उत्थान में डॉ. दिलीप सिंह की अखंड तपस्या

» समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम की पावन नगरी, जहाँ प्रत्येक कण में धर्म की ज्योति निहित है, उसी अयोध्या की वसुधा पर जब गुरु वशिष्ठ गुरुकुल की आधारशिला 2018 में प्रतिष्ठित हुई, तब मानो एक सुप्त परंपरा ने पुनः श्वास ली। यह केवल एक शिक्षालय का उद्घाटन नहीं था, वरन् भारत की आत्मा में रचे-बसे उस वैदिक संस्कार का पुनरुद्धार था, जो शिक्षा को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन साधना का पथ मानता है।

इस गुरुकुल की स्थापना भारतीय शिक्षण मंडल के तत्वावधान में हुई वह संगठन जो राष्ट्र के पुनरुत्थान के लिए 'भारतीयता' को शिक्षा के मूल में प्रतिष्ठित करने का संकल्प रखता है। इसके राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. मुकुल कानिटकर की दूरदृष्टि और आस्था ने उस बीज को सींचा, जिसे अब ब्रह्मचारियों की तपस्या पुष्पित कर रही है।

गुरुकुल की प्रेरणा उस स्वर्ण क्षण से ली जा सकती है, जब 2017 के अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में अहमदाबाद के हेमचंद्र गुरुकुल के बालक तुषार तलावट ने विजय पताका फहराई।

वही क्षण था जब शिक्षण मंडल ने यह अनुभव किया कि भारतीय परंपरा की पद्धति केवल अतीत की स्मृति नहीं, भविष्य की दिशा भी है। गुरु वशिष्ठ गुरुकुल में इस समय आठ से ग्यारह वर्ष आयु के इक्यावन ब्रह्मचारी निवासरत हैं। इनके शिक्षण में वेद, गणित, कृषि, संगीत, योग, धनुर्विद्या और घुड़सवारी के साथ-साथ आत्मनियंत्रण, संयम और सदाचार का बोध अनिवार्य अंग है।

डॉ0 दिलीप सिंह

खास खबर

यहाँ का प्रत्येक बालक केवल छात्र नहीं, बल्कि एक साधक है जो प्रतिदिन सूर्य नमस्कारों की श्रृंखला में शरीर की दृढ़ता, ध्यान की एकाग्रता और आत्मा की शुचिता का संगम करता है। गुरुकुल का वातावरण मंत्रोच्चारणों की गूंज से आलोकित रहता है।

नन्हे ब्रह्मचारी जब संध्योपासना के समय '? भूर्भुवः स्वः' का उच्चारण करते हैं, तो समस्त प्रकृति भी मानो शुद्ध चेतना में स्नान करती प्रतीत होती है।

रामनगरी में इस अद्वितीय गुरुकुल के संवर्धन में शीर्ष पीठ समवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमारदास का आश्रय आधार बना, वहीं अवध विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनीज दीक्षित ने गुरु वशिष्ठ सेवा न्यास के अध्यक्ष रूप में शिक्षा की इस दीप्त परंपरा को स्थायित्व प्रदान किया।

न्यास के मंत्री डॉ. दिलीप सिंह, जो शिक्षण मंडल के शैक्षिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह-प्रचारी हैं, ने इस गुरुकुल को व्यवस्थागत अनुशासन, वैदिक गाम्भीर्य और आधुनिक समुन्नयन का अद्वितीय संगम बनाया।

समाज की श्रद्धा से चल रहा निःशुल्क गुरुकुल

गुरुकुल के संचालन में प्रतिमाह लगभग दो लाख रुपये का व्यय होता है, किंतु यह राशि किसी संस्था से नहीं, समाज के सहयोग से संकलित होती है। राजकुमारदास द्वारा प्रदत्त भवन तथा आदर्श 'ऋषभ' द्वारा प्रदान की गई दस बीघा भूमि इस त्याग और श्रद्धा की जीवंत मिसाल हैं। यही वह जनभागीदारी है, जो भारत की सनातन आत्मा को चिरस्थायी बनाती है।

नवयुग के नवऋषि

यहाँ के बालक जब लघु वय में ही वेदपाठी, योगाचार्य, धनुर्विद और संगीतज्ञ के रूप में निखरते हैं, तब वे आधुनिक भारत के नवऋषि प्रतीत होते हैं। आठ वर्षीय बाल ब्रह्मचारी जब ध्यानमग्न होकर अर्धचंद्रासन में स्थिर खड़े होते हैं, तो मानो ऋषि वशिष्ठ स्वयं उनकी आत्मा में निवास कर रहे हों।

गुरु वशिष्ठ गुरुकुल के आंगन से उठता हर श्लोक, हर मंत्र और हर स्वर भारत के भविष्य की घोषणा करता है – यत्र वेदः, तत्र राष्ट्रम्।

जहाँ वेद की ध्वनि है, वहीं राष्ट्र की आत्मा जीवित है।

अध्यात्म और शिक्षाशास्त्र का समन्वय – डॉ. सिंह की दृष्टि से खिलता गुरुकुल

डॉ. दिलीप सिंह ने वैदिक अनुशासन को आधुनिक शिक्षण की वैज्ञानिक दृष्टि से जोड़ा। उनके निर्देशन में गुरुकुल का प्रत्येक ब्रह्मचारी योग, वेद, संगीत और विज्ञान को एक ही सूत्र में पिरोना सीख रहा है। यह वही शिक्षाशास्त्र है, जहाँ अध्यात्म ही शिक्षा का प्राण बन जाता है।

अपनों पे करम गैरों पे सितमः मनमाने ढंग से किए गए ऑनलाइन और ऑफलाइन तबादले

लेखा संवर्ग नियमावली की खामियों का खामियाजा भुगत रहे सैकड़ों लेखाकार

वर्षों तक चुप्पी साधे बैठे कार्मिक अब खोल रहे मुंह

स्वराज इंडिया में खबर छपने के बाद आनन फानन की बड़े पैमाने पर पदस्थापना

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज।

लखनऊ। प्रदेश के लेखाकार लंबे समय से अपने संवर्ग से जुड़ी मूल समस्याओं से जूझ रहे हैं। 7 अक्टूबर को स्वराज इंडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद निदेशक, आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने आनन फानन 17 अक्टूबर 2025 को सहायक लेखाकार से लेखाकार पद पर दो वर्ष पूर्व पदोन्नत हुए 678 लेखाकारों के पदस्थापन का आदेश जारी कर दिया।

उल्लेखनीय है कि यह आदेश मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन स्थानांतरण नीति को धता बताते हुए ऑफलाइन जारी किए गए हैं। आरोप है कि निदेशक द्वारा स्वार्थ सिद्धि हेतु लगभग 60 फीसदी लेखाकारों को मनमाफिक जगह तैनाती दी गई और शेष 40 फीसदी लेखाकारों का विभाग, जनपद, मंडल व परिक्षेत्र पूरी तरह बदल दिया गया है। मनमाने ढंग से किए गए स्थानांतरण के चलते विभागीय कार्यप्रणाली से अपरिचित लेखाकारों के कारण शासकीय व वित्तीय कार्यों में अनियमितताओं की संभावना बढ़ गई है।

2014-15 से निदेशालय के नियंत्रण में है लेखा संवर्ग

प्रदेश के लगभग 97 विभागों के लेखा एवं लेखा परीक्षा संवर्ग के तृतीय श्रेणी कर्मचारी वर्ष 2014-15 से निदेशालय के नियंत्रण में हैं। बावजूद इसके विभागवार, मंडलवार और जनपदवार रिक्तियों का संतुलन नहीं साधा गया। बताया जा रहा है कि निदेशक द्वारा कुछ पसंदीदा विभागों विशेषकर कृषि विभाग के लेखाकारों को मुख्यालय स्तर पर सिर्फ पटल परिवर्तन करके चंद मीटर की दूरी पर पदस्थापित कर दिया गया, जबकि अन्य लेखाकारों को उनके मूल

सरकारी नीति का खामियाजा भुगत रहे सैकड़ों लेखाकार नौकरी छोड़ने को मजबूर
हर तीन साल में विभाग बदल देने से उत्पन्न हो रही समस्या
» सपा शासन में बनी नियमावली है समस्या की जड़।
किसी नीति के कारण लेखाकार नौकरी छोड़ रहे है यह मुझे नहीं मालूम है। न तो हमारे पास ऐसी को जानकारी है, न ही कोई प्रमाणिक दस्तावेज और आज तक किसी ने बताया है। ये बिल्कुल भ्रामक सूचनाएं है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है।
- गिरीश चंद्र चौबे, अपर निदेशक, आंतरिक लेखा एवं लेखापरीक्षा

विभाग और जिले से बाहर सैकड़ों किलोमीटर दूर भेज दिया गया।

संवर्ग नियमावली में संशोधन की मांग उठी

लेखाकारों का कहना है कि वर्तमान सरकार को सपा शासनकाल में बनी मनमानी लेखा संवर्ग नियमावली में संशोधन करना चाहिए। जैसे अन्य संवर्गों लिपिक, आशुलिपिक आदि के तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को चयन के बाद एक ही विभाग आवंटित होता है, वैसे ही लेखा संवर्ग के कर्मचारियों को भी स्थायी विभाग मिलना चाहिए। इससे वे विभागीय नियमों, योजनाओं और कार्यशैली में पारंगत होकर निर्भीकता से वित्तीय कार्यों का संचालन कर सकेंगे।

कुछ खास बिंदु

- ऑनलाइन लगभग 300 स्थानांतरण और ऑफलाइन 678 पदस्थापन किए गए।

- वरिष्ठ लेखाकारों की तैनाती ब्लॉक स्तर पर जबकि कनिष्ठ लेखाकारों की तैनाती मुख्यालय स्तर पर की गई।
- प्रदेश के 5176 पदों के सापेक्ष रिक्त पदों को स्थानांतरण व पदस्थापना के विकल्प में प्रदर्शित नहीं किया गया।
- मनमाने ढंग से कृषि विभाग में तैनाती हेतु केवल पटल परिवर्तन किया गया।
- लेखाकारों को पैतृक विभाग से नियम विरुद्ध ढंग से अन्य विभागों में भेज दिया गया।
- ऑफ लाइन तबादलों को भी ऑनलाइन दिखाने की कोशिश की गई, जबकि आदेश से साफ स्पष्ट है।

पूर्व डीजीपी पर बहू के साथ अवैध संबंध और बेटे की हत्या का आरोप

पांच वीरता पुरस्कारों से किया जा चुका है सम्मानित

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा, उनकी पत्नी और बहू पर गंभीर आरोप लगे हैं। हरियाणा के पंचकूला के एक थाने में उनके खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। इन तीनों पर अपने ही बेटे की हत्या के आरोप लगे हैं। दरअसल 16 अक्टूबर को पूर्व डीजीपी मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध हालात में पंचकूला के मनसा देवी कॉम्प्लेक्स में मौत हो गई थी। शुरुआत में परिजनों ने कहा था कि ड्रग ओवरडोज से मौत हुई थी। लेकिन मलेरकोटला में उनके पड़ोसी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि अकील की हत्या की गई है। यहां तक कि अकील ने भी कुछ महीने पहले एक वीडियो शेयर किया था कि उनकी पत्नी और पिता के बीच अवैध संबंध हैं और ऐसे में उनकी हत्या की जा सकती है।

बता दें कि मोहम्मद मुस्तफा 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी है। उन्हें कभी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता था। मुस्तफा का करियर लंबा और विवादास्पद रहा। पंजाब के डीजीपी (मानवाधिकार) पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, वे कांग्रेस में शामिल हो गए और नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार बन गए। मुस्तफा को अपनी सेवा के दौरान पांच वीरता पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। पूर्व डीजीपी की पत्नी रजिया सुल्ताना पंजाब में कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रही थी। वह पंजाब विधान सभा के लिए मलरकोटला से तीन बार विधायक रह चुकी है।

सामने आया एक और वीडियो

इस मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि 16 अक्तूबर को सेक्टर-4 एमडीसी, पंचकूला में यह घटना हुई थी। प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई थी। हालांकि, बाद में सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और वीडियो सामने आए थे। पंजाब के मलेरकोटला के रहने वाले शमशुद्दीन ने

» मुस्तफा को पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का करीबी माना जाता है।

इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी और अब हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर का एक और वीडियो सामने आया है। करीब तीन मिनट की इस वायरल वीडियो में अकील अपने परिवार को क्लीन चिट देते हुए नजर आ रहा है।

मुस्तफा ने कहा- सब राजनीतिक साजिश

मोहम्मद मुस्तफा ने इस पूरे मामले को एक साजिश करार दिया है. उनका कहना है कि उन्होंने कहा है कि उनका बेटा एक ड्रग एडिक्ट था और अक्सर इसी तरह से वीडियो अपलोड करता था। उनका दावा है कि जिस शख्स ने शिकायत दर्ज कराई है, उसका एक लोकल एमएलए से करीबी नाता है. ऐसे में यह एक गहरी राजनीतिक साजिश है। इस नए बयान ने इस पूरे मामले की गुत्थी को सुलझा दिया है। यह पूरा केस एक मर्डर मिस्ट्री सा लगने लगा है। जिसमें बेटे ने बाप पर उसकी बीवी के साथ अवैध संबंध होने के इल्जाम लगाए और बाप ने बेटे को ड्रग एडिक्ट बताकर इसे राजनीतिक साजिश बता दिया।

पूर्व डीजीपी ने मीडिया से कहा, मैं इस केस का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैंने पहले ही पोस्टमॉर्टम के लिए जोर दिया है क्योंकि मुझे ऐसी मोटिवेटेड शिकायतों के बारे में अंदाजा था।

सेटिंग से मिली मनमाफिक नई पोस्टिंग

भ्रष्टाचार में फंसे खनन अधिकारी का सोनभद्र से हुआ झांसी तबादला

कमल कश्यप बने सोनभद्र के खनन अधिकारी

» बाराबंकी में तीन साल से तैनात मौर्या चला रहे खनन सिंडिकेट।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सोनभद्र। खनन विभाग में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप झेल रहे खनन अधिकारी शैलेन्द्र पटेल का तबादला सोनभद्र से झांसी कर दिया गया है। यह तबादला न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि कई सवाल भी खड़े करता है। झांसी को खनन के लिहाज से यूपी का महत्वपूर्ण जिला माना जाता है, वहां ऐसे अधिकारी की नियुक्ति को लेकर अफसरशाही और विभागीय सेटिंग पर उंगलियां उठ रही हैं। सूत्रों की मानें तो शैलेन्द्र पटेल के खिलाफ शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी और सस्पेंशन की कार्रवाई की चर्चा थी। लेकिन निदेशालय स्तर पर गहरी मैनेजमेंट के चलते उन्हें झांसी जैसे हाई-प्रोफाइल जिले की कमान सौंप दी गई।

शैलेन्द्र पटेल के सोनभद्र से जाने पर वहां के खनन कारोबारियों ने ली राहत की सांस बताया जा रहा है कि सोनभद्र में पटेल ने अपना 'सिंडिकेट' खड़ा कर रखा था खनन से जुड़े अनियमितताओं पर आंख मूंदने के आरोपों के बावजूद मिली नई पोस्टिंग। जिस अधिकारी को जवाबदेह बनाना था, उसे झांसी भेजकर खानापूर्ति कर दी गई।

वहीं, सोनभद्र में कमल कश्यप को नया खनन अधिकारी नियुक्त किया गया है। अब

यह देखना होगा कि क्या वे पुराने सिंडिकेट को तोड़ पाएंगे या उसी ढर्रे पर काम जारी रहेगा। दूसरी ओर, बाराबंकी जिले में खनन अधिकारी शैलेन्द्र मौर्या तीन साल से अधिक समय से तैनात हैं और उन पर मिट्टी खनन का पूरा सिंडिकेट चलाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जिले में बालू खनन के सभी पट्टे बंद करवा दिए गए हैं, लेकिन फिर भी कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हुआ। दूसरे जिलों से आने वाली गाड़ियों से एंट्री वसूली के जरिए अवैध कमाई का सिलसिला लगातार जारी है।

ट्रांसपोर्टर्स और ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बिना किसी वैध खनन के भी वसूली तंत्र वैसा ही चल रहा है जैसा पहले था। जनता का कहना है कि विभाग की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं, और उच्च स्तर पर जांच व कार्रवाई की मांग उठाई जा रही है।